

## खोरठा बेयाकरन

### 1. संइंगा (संज्ञा)

कोन्हो जिनिसेक , लोकेक, ठांवेक, गोछाक नाम चाहे कोन्हो भाभ—बिचारोक संइंगा कहल जाहे। जेरग—मंगरा , डुभा , लेरु , गीदर , रामगढ चेंगना, पइला , सुप , तेलाई , चुका करिया, चेरका , लबरा , पेठिया आरो—आरो ।

### संइंगाक किसिम

1. बेगइत वाचक संइंगा :— जे संइंगा ले कोन्हो एगो बेगइतेक चाहे ठांव गुलाक नाम फुरचा हइ ओकरा बेगइत वाचक संइंगा कहल जाहे। जेरकम – बिरसा , दामोदर , पारसनाथ तिलका , नागपुरी , खोरठा , आरो—आरो ।

## पट्टझर :

- \* मंगरा – मंगरा घर गेल हइ ।
- \* बेरा – बेरा पूरबे उगे हइ ।
- \* दामोदर – दामोदर झारखंडेक सोबले बोड नदी हइ ।
- \* रिगवेद – रिगवेद सोबेल पुरना बेद हे ।

2. जाइत वाचक संझगा – जे संझगा ले कोन्हो खास जाइतेक भाव फुरछा हइ ओकरा जाइत वाचक सझंगा कहल जा हे । जेरंग , गरु , डांगर , छउआ , पोहना, जोरिया , समुंदर , टुंगरी आरो—आरो ।

## पट्टझर

- \* पोहना –पोहना काइल घर अझबथीन ।

- \* गोरु – गोरु सोब धान चइर गेलउ ।
- \* ढांगर – ढांगरवा आइस असुख भइ गेलइ ।
- \* नदी – नदी टांय बाइढ अइले हइ ।

**3. गोंठ वाचक संइगा** – जे संइगा ले कोन्हो गोंठ चाहे जमाव के भाभ फुरछा हइ ओकरा गोंठ वाचक संइगा कहल जाहे । जइसे–बइसकी , जतरा , पेठिया , किलास बरिआत , इसकूल आरो आरो ।

### पट्टइर

- \* बइसकी – बइसकी टांय गांवेक लोक आइल हथ ।
- \* जतरा – जतरा टा जनी आर छउवा गुलाक बेस लागो हइ ।

\* पेठिया – पेठिया सांझ बेरा लागो हइ

|

\* बरियात – बरियातें खुभे नाच गान हवो हइ।

#### 4. चीज बसुत वाचक संइंगा –

नापे–जोखे , तउले आर गनेक जुकुर चीज बसुत के नाम के चीज बसुत वाचक संइंगा कहल जा हइ । जेरकम –चाउर , धान , माटीक तेल , चट्टी, जुता , लुगा, दूध , पथल आरो आरो

#### पटतइर

\* पथल / पखन – पथल ओजनी हवो हइ ।

\* सोना – सोनाक गहना पींधल जा हइ ।

- \* माटीक तेल – माटिक तेल महरंग भय गेल हइ ।
- \* जुता – हमर जुता लउतन हइ ।

## 5. भाभ –गुन वाचक संझगा –

जे संझगा ले बेगइत चाहे जिनीसेक गुन भाभ चाहे दसाक भाभ फुरछा हइ ओकरा भाभ –गुन वाचक संझगा कहल जा हइ ।

## पट्टइर

- \* ढढनच – ढढनच नाझ कर हाम बुझ्ज रहल ही ।
- \* किचकिचाइ – बइर खाक गुना अंगना टा किचकिचाइ गेल हइ ।
- \* बुढारी – बुढ़ारी कोकरो बेस नाझ लागे ।
- \* झगराही – तोर जनी झगराही हउ ।